

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 04 NOVEMBER TO 10 NOVEMBER 2020

Inside News

भारत में कच्चे तेल
के आयात में गिरावट,
एलपीजी आयात उछला



Page 2



कोमर्तों में उछल, आम
आदमी की पहुंच से दूर
हुआ आलू-प्पाज



■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 06 ■ अंक 11 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Page 4



Page 5

editoria!

कारखानों से अच्छी खबर

बुरी खबरों का अभी अंत नहीं हुआ। खासकर कोरोना वायरस संक्रमण से जुड़ी खबरों ने फिलहाल थोड़ी गहरत भले ही दी ही है, लेकिन खतरा टला नहीं है, इसके संकेत भी साफ हैं और जहां तक समाज व अर्थव्यवस्था पर पड़े इसके असर का मामला है, अभी इन सबसे उबरों में काफी वक्त लग सकता है, लेकिन अच्छी बात यह है कि नवंबर की शुरुआत शुभ समाचारों के साथ हुई है। पहले ही दिन खबर आई कि अक्टूबर का जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ रुपये का तक पहुंच गया है, जो कि अर्थव्यवस्था के फिर से पटरी पर लौटने का सबसे बड़ा संकेत माना जा सकता है। सोमवार को जो खबर आई है, वह इससे भी ज्यादा गहरत देने वाली है। फैक्टरी उत्पादन का हाल बताने वाला निकर्की परवेंजिंग मैनेजर इंडेक्स अक्टूबर महीने में 58.9 पर पहुंच गया है। यह सिंतंबर महीने से दो अंक ज्यादा तो है ही, लेकिन इसके साथ ही, ज्यादा बड़ी खबर यह है कि अगर इस सूचकांक के हिसाब से देखें, तो यह पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय का सबसे ऊंचा स्तर है। साथ ही, इंडेक्स का यह स्तर उस पृथक्षभीमि को देखते हुए भी महत्वपूर्ण है कि इस साल की पहली तिमाही में सूच्य से लगभग 24 फीसदी नीचे तक गोत लगा गई थी और जिन क्षेत्रों ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई थी, उनमें एक मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र भी था। वैसे अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है, इसके संकेत तो हमें सिंतंबर महीने से ही मिलने लग गए थे। अक्टूबर में तमाम तरह के आंकड़े यह बताने लग गए थे कि बाजार से हताशा के बादल अब छंटने लग गए हैं। खासकर अटोमोबाइल क्षेत्र के आंकड़े इन्हें बेहतर थे कि हैरान कर रहे थे। दुपहिया वाहनों और कारों की बिक्री खासी उम्मीद बंधा रही थी। हालांकि साथ ही, यह भी कहा जा रहा था कि इनकी बिक्री में बढ़त की एक वजह यह है कि सार्वजनिक परिवहन पर रोक और उसके खतरों के चलते लोगों के लिए अब अपने वाहन से यात्रा ही ज्यादा सुविधाजनक हो गया है। लेकिन जीएसटी का संग्रह जिस तरह से बढ़ा है, वह बताता है कि अक्टूबर महीने में कारोबार चौंतरफा बढ़ा है। एक दूसरा संकेत मुद्रास्फीति भी दे रही है। यह ठीक है कि मुद्रास्फीति जिस तरह से बढ़ी है, वह अर्थव्यवस्था और खासकर गरीबों के लिए बहुत बुरी है, लेकिन वह यह तो बताती ही है कि बाजार में मांग बढ़ी है। जाहिर है, इसी मांग की आपूर्ति के लिए फैक्टरियों ने उत्पादन भी बढ़ाया है और यह अब सूचकांक से भी जाहिर है। हालांकि इस क्षेत्र की सारी समस्याएं खत्म हो गई हैं, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता। एक तो अभी भी शायद ही यह क्षेत्र अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर पा रहा है। लॉकडाउन के दौरान बंद बहुत सी छोटी इकाइयां अभी भी नहीं खुल सकी हैं। इस क्षेत्र में बोरोजगार हो गए सभी लोगों को रोजगार मिल गया हो, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन फिलहाल का सच यही है कि स्थितियां अब उतनी भी खराब नहीं हैं, जितनी पांच-छह महीने पहले लग रही थीं। कोरोना संक्रमण के सच को स्वीकार करते हुए देश ने आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है, लेकिन लंबा रास्ता अभी बाकी है। यह ठीक है कि अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आई है, लेकिन जरूरी है, उसका इन पटरियों पर रफ्तार पकड़कर मंजिल की ओर बढ़ाना। हमारी सरकारों और वित्तीय संस्थाओं को अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए।

**आयकर विभाग ने
39.49 लाख
करदाताओं को 1.29
लाख करोड़ रुपये का
रिफंड जारी किया**

नयी दिल्ली। एजेंसी

आयकर विभाग ने इस वित वर्ष में अब तक 39 लाख से अधिक करदाताओं को कुल 1.29 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए हैं। आयकर विभाग ने बताया कि इसमें 34,820 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर और 94,370 करोड़ रुपये के रिफंड हैं। आयकर विभाग ने दूबी जारी कर कहा, “सीबीडीटी ने एक अप्रैल 2020 से लेकर तीन नवंबर 2020 की अवधि में 39.49 लाख करदाताओं को 1,29,190 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए हैं। इसमें से 37,55,428 व्यक्तिगत मामलों में 34,820 करोड़ रुपये और 1,93,059 कार्पोरेट कर मामलों में 94,370 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए।”

मंत्रालय राज्यों के लिए जीएसटी मुआवजा उपकर संग्रह में गिरावट की कमी को पूरा करने के लिए विशेष सुविधा के तहत 16 राज्यों और तीन केंद्र

शासित प्रदेशों का आज (सोमवार) 6,000 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त जारी की।” बयान के मुताबिक यह कर्ज 4.42 प्रतिशत की व्याज पर उपलब्ध है जो राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा उठाए जाने वाले कर्ज से सस्ता है। अतः इससे उन्हें लाभ होगा। बयान में कहा गया है, वित मंत्रालय ने अभी तक राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए विशेष सुविधा के तहत 12,000 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया है।

अभी तक 21 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों ने विशेष सुविधा के तहत ऋण लेने का विकल्प चुना है। इसमें ऋण के लिए राशि केंद्र सरकार ने जुटाई है और वह जीएसटी मुआवजा उपकर राशि के एवज में इसे राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को लगातार उपलब्ध करा रही है। इस सेवा का लाभ उठाने वाले राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में अंग्रेजी प्रदेश, असम, बिहार, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुच्चरी शामिल है।



नई दिल्ली। एजेंसी

उद्योग मंडल फिक्की ने कहा है कि कोविड-19 से निपटने की भारत की रणनीति सही साक्षित हुई है और अर्थव्यवस्था जल्द पटरी पर लौटेगी और मजबूत होकर उभरेगी। फिक्की की अध्यक्ष संगीता रेडी ने कहा कि अब कड़े कदम उठाने और वृद्धि के एजेंडा को आगे बढ़ाने का समय आ गया है। रेडी ने कहा, ‘‘दुनियाभर की सरकारों में जीवन और आजीविका के संरक्षण के बीच संतुलन बैठाने को लेकर असमजस रहा। भारत ने सख्त लॉकडाउन लगाया और स्वास्थ्य ढांचे को आगे बढ़ाते हुए मानव जीवन को बचाने पर ध्यान केंद्रित किया। इस रणनीति के सही नतीजे सामने आए हैं।’’

पीएमआई इंडेक्स में तेजी आई है उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में सुधार के शुरुआती संकेत दिखें लगे हैं। उन्होंने कहा कि सिंतंबर में विनिर्माण और सेवा पीएमआई सुधारकर क्रमशः 56.8 और 49.8 पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा ई-वे बिल निकालने की संख्या भी बढ़ी है। प्रमुख जिंसों की माल दुर्लभी में सुधार हुआ है, नियंत्रित में सकारात्मक वृद्धि दर्दि हुई है और सिंतंबर में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह काफी हफ तक कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंच गया है।

**कोरोना से निपटने में भारत की
रणनीति सफल रही, जल्द इकॉनमी
में आएगा सुधार : FICCI**

सरकार ने चिकित्सा इन्फ्रा पर काम किया

उन्होंने कहा कि बेहतर इलाज, चिकित्सा ढांचे

भारत में कच्चे तेल के आयात में गिरावट; एलपीजी आयात उछला

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में लगातार छठे महीने कच्चे तेल के आयात में गिरावट दर्ज की गई है। कच्चे तेल के आयात में गिरावट कोविद -19 के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए किए गए लॉकडाउन की वजह से देखी गई है। मंगलवार को जारी किए गए ऑकड़ों से इस बात की जानकारी मिली है। महामारी को रोकने के लिए देश में किए गए लॉकडाउन से कोरोनारी गतिविधियां धीमी पड़ गईं, जिससे लोगों की आवाजाही में कमी देखी गई। जिससे

अर्थव्यवस्था उम्मीद से अधिक तेजी से पटरी पर लौट रही है : जावड़ेकर

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़कर ने कहा है कि अर्थव्यवस्था उम्मीद से अधिक तेजी से पटरी पर लौट रही है। जावड़कर ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवादाताराओं से बातचीत में बिजली की मांग में बुद्धि और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में बढ़ोत्तरी का जिक्र करते हुए कहा कि अब अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है। उन्होंने कहा, ‘रेलवे की माल हुलाई से प्राप्ति में बुद्धि, ऊंचा जीएसटी संग्रह, बिजली की मांग में बढ़ोत्तरी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह में सुधार से संकेत मिलता है कि चालू वित्त वर्ष की दूरी तिमाही में अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बेहतर रहा है।’ उन्होंने

तेल की खपत घट गई

सितंबर में एलपीजी का
आयात 4.5 फीसदी
बढ़कर 1.64 मिलियन
टन हो गया।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना अंग विश्लेषण सेल (ईईए) के आंकड़ों से एक साल पहले सिंबर में कच्चे तेल का आयात लगभग 9.1 फीसदी घटकर 15.18 मिलियन टन या 3.71 मिलियन बैरेल प्रति दिन (बीपीडी) गिर गया था। मासिक आधार पर, दिनांकों के तीस

सबसे बड़े तेल आयातक और उपभोक्ता का आयात अगस्त में 16.86 मिलियन टन या 4.12 मिलियन बीपीडी से लगभग 10 फीसदी गिर गया। क्रूड आयात में साल-दर-साल गिरावट हालांकि, छह महीने में सबसे कम थी ब्यांकों को रोनोवायरस के बढ़ते मामलों की वजह से अधिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी, जिससे देश में आवाजाही काफी घट गई सर्वेक्षण के मुताबिक अक्सरूर में फैक्ट्री की गतिविधियाँ में एक दशकावधि से भी अधिक समय में सबसे तेज़

कहा, “अर्थव्यवस्था उम्मीद से अधिक तेजी से पटरी पर लौट रही है।” जावड़ेकर ने कहा कि अच्छी बारिश की बजह से कुछ क्षेत्र की बिजली खपत कम रही है। वहाँ रेलवे की बिजली खपत भी अभी कम है। इसके बावजूद बिजली की कुल मांग में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, ‘‘बिजली की मांग में 12 प्रतिशत की वृद्धि से पाता चलता है कि उत्पादन क्षेत्र की स्थिति अब पूरी तरह सामान्य हो चुकी है।’’ चालू वित्त वर्ष की पहली अंत्रेल-जून की तिमाही में कोरोना वायरस महामारी की बजह से लागू लॉकडाउन के चलते सकल घरेलू उत्पाद (जीपीयी) में 23.9 प्रतिशत की जबर्दस्त गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2020-

21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 9.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। इससे पहले वित्त संचिकामना तरुण बजाज ने भी मंगलवार को कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार हो रहा है और जल्द यह पटरी पर आ जाएगी। अक्टूबर में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 1.05 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इसी तरह अक्टूबर में 19 प्रतिशत अधिक ईंवे बिल्डर निकाले गए हैं। मूल्य के हिसाब से यह 16.82 लाख करोड़ रहा है। रेलवे की माल दुलाइ सिंतंबर में 15.5 प्रतिशत और अक्टूबर में 14 प्रतिशत बढ़ी है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अगस्त की अवधि में देश में 35.73 अरब डॉलर का प्रवृत्ति विवेशी निवेश आया है।

अमेरिकी डॉलर के
मुकाबले रुपया 35 पैसे
दूटा, 74.76 पर बंद

मुंबई। एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से फैले डॉलर के रुख में मंजबूरी के चलते रुपया बुधवार को 35 पैसे से गिरकर 74.76 (अनंतिम) रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। अंतर्रैक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 74.74 पर खुला, और कारोबार के अंत में 74.76 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 35 पैसे की गिरावट को दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 74.41 पर बंद हुआ था। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव की मतगणना में पूर्व उप राष्ट्रपति एवं डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन आगे चल रहे हैं।

लेकिन उनके प्रतिवृद्धी एवं रिपब्लिकन के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रॉप के साथ उनके काटे की टक्कर जारी है। ताजा रिपोर्टोर में 538 'इलेक्टोरल कॉलेज सीट' में से बाइडेन के 220 और ट्रॉप के 213 पर जीत दर्ज करने का दावा किया गया है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 प्रतिशत बढ़कर 93.88 पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को सकल आधार पर 2,274.40 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। अंतरराष्ट्रीय तेल बैंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.38 प्रतिशत बढ़कर 39.86 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार

मुंबई एजेंसी

कोरोना काल में मुंबई एयरपोर्ट पर यात्रियों का ट्रैफिक तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। जून के महीने में ये ऑक्डो का लगभग 2.2 लाख घेरेलू यात्रियों का था, जो सिंतंबर तक बढ़कर 6.5 लाख हो गया। इस दौरान घेरेलू उड़ानों की संख्या 2600 से बढ़कर 6600 पर पहुंच गई। वहीं अगर बात अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की करें तो जून में जो संख्या 38 हजार के करीबी थी, वह सिंतंबर तक बढ़कर 77 हजार करीब पहुंच गई। वहीं इस दौरान उड़ानों की संख्या 1640 से बढ़कर 1860 पर पहुंच गई।

अगर बात अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की करें तो जून से सिंतंबर के दौरान मुंबई-पारामार्भिक उड़ानों की संख्या दो दो ते तीन

काफी अधिक है।

अगर तुलना करें तो पता चलता है कि जून से सिंतंबर के बीच में चार में से सिर्फ़ एक ऐसी फ्लाइट थी, जो यूरोप से आई या जिसने यूरोप के लिए उड़ान भरी। वहीं अमेरिका के लिए 11 फीसदी, अफ्रीका के लिए 6 फीसदी और पश्चिमा पैसेफिक के लिए 2 फीसदी फ्लाइट्स ने उड़ान भरी। ये आंकड़े मुख्य इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने दिए हैं। इस दौरान इंडिगो ने सभसे अधिक 26,070 यात्रियों को 330 उड़ानों के जरिए सेवा दी, जिनमें अधिकतर लोगों मिडिल ईस्ट गए। वहीं एयर इंडिगो ने करीब 98 फ्लाइट्स से लोगांग 15,550 यात्रियों को सेवाएं दी, जो यूरोप और दक्षिण अमेरिका गई थीं।



गति से विसरार हुआ और मांग और उत्पादन में मजबूती आई। भारत में संक्रमण के मामलों में वृद्धि संतंबर में रिकॉर्ड उछाल देखने के बाद धीमी हो गई है, लेकिन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि त्योहारों के मौजूदा मौसम में एक बार फिर से बढ़तीरी देखी जा सकती है। भारत में अभी तक 83 लाख से अधिक पुष्ट मामलों की पुष्टि हो गई है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक प्रभावित देश है।

रिजर्व बैंक ने 9 नवंबर से बाजार का समय बढ़ाया जानिए क्या हो गई नई टाइमिंग

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

रिजर्व बैंक ने सोमाराव को विभिन्न रिण बाजारों के साथ ही मुद्रा बाजार में कारोबार का समय नौ नवंबर से बढ़ाने की घोषणा की। देश के लॉकडाउन से धीरे धीरे बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू होने के बाद रिजर्व बैंक ने यह कदम उठाया है। कोविड-19 महामारी के साथ जुड़े स्वास्थ्य जोखिम को देखते हुये रिजर्व बैंक ने उसके नियमन के तहत आने वाले विभिन्न बाजारों में सौदों का समय 7 अप्रैल 2020 से कम कर दिया था। तब बाजार खुलने का समय नौ बजे के बाजाय प्रातः दस बजे कर दिया गया और

बद होने का समय भी दोपहर दो बजे कर दिया गया था।

रिजर्व बैंक ने कहा, “लॉकडाउन की चरणबद्ध वापसी तथा लोगों के आवागमन और कार्यालयों में कामकाज को लेकर प्रतिवर्षीयों में ढील दिये जाने के बाद यह तय किया गया है कि उसके नियमन वाले बाजारों में कामकाज के घंटों को चरणबद्ध ढंग से बहाल किया जाये।” केंद्रीय बैंक ने कहा कि नौ नवंबर 2020 से ज्यादातर बाजारों में कामकाज का समय डेल घंटा बढ़ाकर अपराह्न साढ़े तीन बजे तक कर दिया गया है। ‘सरकारी प्रतिवर्षीयों में रेपो बाजार’ के मामले में अगले सप्ताह से कामकाज का समय सुबह 10 बजे से टाई बैंजे तक होगा, वहीं “सरकारी प्रतिवर्षीय रेपो” कारोबार प्रातः 10 बजे से तीन बजे तक हो सकेगा। रिजर्व बैंक ने कहा है कि बाजार खुलने का समय नौ बजे के बजाय दस बजे ही रहेगा। वाणिज्यिक प्रणवों और जमा प्रमाणांकों, कारोबार बैंड में रेपो कारोबार, सरकारी प्रतिवर्षीयों, विदेशी मुद्रा, भारतीय रुपयों में कारोबार, विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव्ज, रुपया ब्याज दर डेरिवेटिव्ज और ‘कॉल, नोटिस, टर्म मनी’ में प्रातः दस बजे से 3.30 बजे तक कारोबार होगा।

महज 3 महीने में मुंबई एयरपोर्ट पर घरेलू यात्रियों का ट्रैफिक हुआ तीन गुना

ਮੁੰਬਈ। ਏਜੇਂਸੀ

काल में मुंबई एयरपोर्ट पर
ट्रैफिक तेजी से बढ़ता ही जा
के महीने में ये आंकड़ा लगभग
1 घरेलू यात्रियों का था, जो
बढ़कर 6.5 लाख हो गया।
घरेलू उड़ानों की संख्या 2600
6600 पर पहुंच गई। वहीं
अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की करें
जो संख्या 38 हजार के करीब
संतंतर तक बढ़कर 77 हजार
पर गई। वहीं इस दौरान उड़ानों
1640 से बढ़कर 1860 पर

काफी अधिक है। अगर तुलना करें तो पता चलता है कि जून से सिंबंगर के बीच में चार में से सिर्फ़ एक ऐसी फ्लाइट थी, जो यूरोप से आई या जिसने यूरोप के लिए उड़ान भरी। वहीं अमेरिका के लिए 11 फीसदी, अफ्रीका के लिए 6 फीसदी और पश्चिमांश पैसेफिक के लिए 2 फीसदी फ्लाइट्स ने उड़ान भरी। ये आंकड़े मुंबई इटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने दिए हैं। इस दौरान इंडिगो ने सबसे अधिक 26,070 यात्रियों को 330 उड़ानों के जरिए सेवा दी, जिनमें अधिकतर लोगों मिडिल ईस्ट गए। वहीं एयर इंडिया ने करीब 98 फ्लाइट्स से लगभग 15,550 यात्रियों को सेवाएं दी, जो यूरोप और दक्षिण अमेरिका गई थीं।

जीएसटी कर्ज का स्तर 'उचित' रखने की जरूरत, नहीं तो बढ़ेगा ब्याज का बोझ : वित्त सचिव

नवी दिल्ली। एजेंसी

वित्त सचिव अजय भूषण पांडेय ने कहा है कि राज्यों के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व में कमी की भरपाई के लिए कर्ज की मात्रा इसके आर्थिक प्रभाव को देखते हुए 'उचित' रहनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र विषयक शासित राज्यों से प्रस्तावित ऋण योजना का विकल्प चुनें का आग्रह करता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र राज्यों से यह 'आशासन' लेगा कि इस ऋण का भुगतान सिर्फ जीएसटी मुआवजा उपकर

से किया जाएगा। भुगतान की सारणी इस तरह से तय की जाएगी कि जून, 2022 के बाद उपकर पूल में संग्रह कर्ज के ब्याज के भुगतान के लिए पर्याप्त हो। अभी तक 21 राज्यों और तीन संघ शासित प्रदेशों ने राज्यों के माल एवं सेवा कर संग्रह में 1,83 लाख करोड़ रुपये की भरपाई के लिए केंद्र द्वारा प्रस्तावित ऋण योजना का विकल्प चुना है। ऋण योजना के तहत केंद्र जीएसटी के क्रियान्वयन की वजह से राजस्व में हुए नुकसान की भरपाई के लिए

1,10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेगा। हालांकि, केंद्र, पंजाब, प. बंगल, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखण्ड जैसे राज्यों ने अभी तक केंद्र के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है। इन राज्यों का कहना है कि केंद्र को राजस्व में समूची 1,83 लाख करोड़ रुपये की कमी की भरपाई को कर्ज लेना चाहिए। इन राज्यों का कहना है कि 'जीएसटी क्रियान्वयन और कोविड-19' का प्रभाव जैसी वर्गीकरण गैरकानूनी और असरवेधानिक है। पांडेय ने कहा कि जीएसटी परिषद और केंद्र तथा राज्य सरकारों सभी ने उपकर को जून, 2020 से आगे बढ़ाने का समर्थन किया है। ऐसे में मुआवजा पूरी तरह सुक्षित है।

पांडेय ने कहा, "मुआवजा उपकर का स्तर उचित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इसमें संतुलित रुख पूरा मुआवजा दिया जाएगा, लेकिन इस समय उसके एक हिस्से के बराबर कर्ज लिया जा सकता है। केंद्र ने रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई विशेष सुविधा के तहत बाजार से कर्ज लेकर 16 राज्यों और तीन संघ शासित प्रदेशों को दो किस्तों में 12,000 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

बड़े बदलाव के संकेत

पेट्रोल-डीजल से पहले गैस और एटीएफ को GST के दायरे में लाने की तैयारी में केंद्र

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अनियंत्रित होने के कारण हर रोज तंतु कंपनियों द्वारा तय की जाती हैं। इससे तेल बहुत ज्यादा महंगा हो गया। जिसका महंगाई बढ़ाने में खासा योगदान रहता है। इसको लेकर कई बार जीएसटी के दायरे में लाने के लिए देश भर से मांग भी उठती रही है। लेकिन केंद्र सरकार से पहले प्राकृतिक गैस एवं विमान ईंधन (एटीएफ) को जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर सकती है। इस बात की संभावना इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि राज्यों के साथ जीएसटी क्षतिपूर्ति का मसला सुलझने के बाद सरकार जीएसटी की व्यवस्था में व्यापक बदलाव की तैयारी की रखी है।

सूत्रों का कहना है कि सरकार जीएसटी के दूसरे चरण में दरों को कम और जीएसटी से छूट वाली वस्तुओं को सीमित रखना चाहती है। जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठकों में दरों में बदलाव के साथ-साथ कम से कम दो पेट्रोलियम उत्पादों (प्राकृतिक गैस एवं एटीएफ) को इसके दायरे में लाने पर भी चर्चा हो सकती है। फिलहाल, पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का फैसला जून, 2022 तक के लिए टाला जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय पहले ही इन प्रौद्योगिकों को जीएसटी के दायरे में लाने की निर्णय किया है।

हरियाणा सरकार उद्योगों को 20 साल के लिये बिजली शुल्क में छूट देगी

चंडीगढ़। हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने हरियाणा उपक्रम और रोजगार नीति (एचईपी) 2020 के तहत बिजली शुल्क में 20 साल की छूट देने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले, छूट केवल 10 साल के लिये थी। चौटाला ने कहा कि इसके अलावा जो उद्योग स्थानीय युवाओं को रोजगार देंगे, उन्हें प्रति कर्मचारी 48,000 रुपये की सब्सिडी सात साल के लिये दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि निवेशकों को लापता देने के लिये विशेष उपाय किये गये हैं। उन्हें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के बदले 100 प्रतिशत निवेश सब्सिडी दी जाएगी। उप-मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार ने नीति में उद्योगों को धन और अन्य फसलों के अवशेष के प्रबंधन के लिये विशेष छूट देने की भी योजना बनायी है। उन्होंने कहा कि एचईपी के मसांदे को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसे जल्दी ही क्रियान्वित किया जाएगा।

तथा राज्य सरकारों सभी ने उपकर को जून, 2020 से आगे बढ़ाने का समर्थन किया है। ऐसे में मुआवजा पूरी तरह सुक्षित है। पांडेय ने कहा, "मुआवजा उपकर का स्तर उचित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इसमें संतुलित रुख पूरा मुआवजा दिया जाएगा, लेकिन इस समय उसके एक हिस्से के बराबर कर्ज लिया जा सकता है।

कर्ज जुटा सकती है। वहीं अनुच्छेद 293 कहता है कि राज्य सरकारों सिर्फ आतिरिक स्रोतों से कर्ज जुटा सकती है। पांडेय ने कहा कि कर्ज का स्तर उचित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इसमें संतुलित रुख नहीं अपनाया जाता है, तो व्याज का बोझ बढ़ेगा जिसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। पांडेय ने कहा, "यहीं वजह है कि एफआरबीएम के तहत तीन प्रतिशत की सीमा तय की गई है। कुछ शर्तों के साथ इसे पांच प्रतिशत किया जा सकता है। यदि इन सीमाओं के पांच कोई विवर नहीं होती, तो ये सीमाएं नहीं होतीं। चूंकि संविधान के तहत संतुलित रुख अपनाने की जरूरत है, इस वजह से वहाँ अनुच्छेद 292-293 हैं।"

वजह नहीं होती, तो ये सीमाएं नहीं होतीं। चूंकि संविधान के तहत संतुलित रुख अपनाने की जरूरत है, इस वजह से वहाँ अनुच्छेद 292-293 हैं।" उन्होंने कहा कि कर्ज जुटा सकती है, किसी को भी महत्तम स्तर तक ही कर्ज लेना चाहिए। इसका फैसला अनुच्छेद 292 और 293 के दायरे में होना चाहिए।" संविधान का अनुच्छेद 292 कहता है कि भारत सरकार संसद द्वारा समय-समय तय सीमा के तहत विवर नहीं होतीं। विवर नहीं होतीं। यहीं वजह है कि आपका विवर नहीं होता। यहीं वजह है कि एफआरबीएम के तहत तीन प्रतिशत की सीमा तय की गई है। कुछ शर्तों के साथ इसे पांच प्रतिशत किया जा सकता है। यदि आपका विवर नहीं होता, तो ये सीमाओं में कोई विवर नहीं होता।

अर्थव्यवस्था पर खुशखबरी

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 8 महीने में पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। एजेंसी

गई है।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह का आंकड़ा अक्टूबर में 1,05 लाख करोड़ रुपये रहा है। फरवरी के बाद पहली बार जीएसटी संग्रह का आंकड़ा एक लाख करोड़ रुपये के पार गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से रविवार को यह जानकारी दी गई है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि 31 अक्टूबर, 2020 तक दाखिल करें एवं करोड़ 932 करोड़ रुपये आयातित वस्तुओं पर) शामिल है। अक्टूबर, 2020 में जीएसटी संग्रह पिछले साल के समान महीने से 10 प्रतिशत अधिक रहा है। अक्टूबर, 2019 में जीएसटी संग्रह 95,379 करोड़ रुपये रहा था। कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए लागे गए लॉकडाउन की वजह से जीएसटी संग्रह का अंकड़ा लगातार कई माह तक एक लाख करोड़ रुपये के पार रहा।

का उपकर (932 करोड़ रुपये आयातित वस्तुओं पर) शामिल है। अक्टूबर, 2020 में जीएसटी संग्रह पिछले साल के समान महीने से 10 प्रतिशत अधिक रहा है। अक्टूबर, 2019 में जीएसटी संग्रह 95,379 करोड़ रुपये रहा था। कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए लागे गए लॉकडाउन की वजह से जीएसटी संग्रह का अंकड़ा लगातार कई माह तक एक लाख करोड़ रुपये के पार रहा।



विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

83052-99999

f t e indianplasttimes@gmail.com

दिवाली से पहले और सस्ते हुए काजू, किशमिश, बादाम, लेकिन जल्द बढ़ेंगी कीमतें

नई दिल्ली। एजेंसी

दिवाली से पहले ड्राई फ्रूट्स और सस्ते हो गए हैं। काजू, बादाम, किशमिश की कीमतें में ऐसी गिरावट पहली बार देखने को मिल रही है। कोरोना संकट (एंडर्हर्टने झूम्स) से पहले ड्राई फ्रूट्स की जो कीमतें थीं, अब भाव करीब 20 परसेंट तक गिर चुके हैं। इस साल की शुभआत से लेकर अब एक नजर ड्राई फ्रूट्स की कीमतें पर

दिवाली से पहले सस्ते हुए ड्राई फ्रूट्स

ड्राईफ्रूट्स	जनवरी (रुपये/किलो)	नवंबर (रुपये/किलो)
काजू	800	650
किशमिश	240	220
छुहाड़ा	300	280
अंजीर	750	800
अखरोट	850	600
बादाम	650	590
छोटी इलायची	5000	3000

क्यों गिरे काजू, किशमिश के दाम

आम तौर पर दिवाली के पहले ड्राई फ्रूट्स की कीमतें में आग लग जाती है। लेकिन कोरोना की वजह से सदियों पुराना ये सिद्धांत भी उल्ला पड़ गया। ड्राई फ्रूट्स के कारोबारियों का कहना है कि कई सालों बाद इस तरह की गिरावट देखने को मिलती है। लॉकडाउन से पहले ड्राई फ्रूट्स की कीमतें 15-20 परसेंट तक बढ़ी थीं, इस दौरान पुराना माल खत्म हो रहा होता है और नई फसल का माल आने की तैयारी में होता है। लेकिन तभी लॉकडाउन लग जाता है और कारोबार बंद हो जाता है। ग्राहक बाजार में नहीं हैं, माल गोदामों में भरा रखा है, ऐसे में कीमतें गिरना लाजिरी है।

लेकिन जल्द बढ़ेंगे दाम

हालांकि ड्राई फ्रूट्स के दाम हमेशा ही कम रहेंगे, क्योंकि लॉकडाउन खत्म हो चुका है। बाजार पूरी तरह से खुल चुके हैं। नवंबर, दिसंबर वैसे भी शादियों का सीजन होता है। दिल्ली समेत देश के और दूसरे राज्यों में शादी समारोह में शामिल होने वाले मेहमानों की संख्या में छूट दे दी है। यानि ड्राई फ्रूट्स की डिमांड आने वाले दिनों में बढ़ना शुरू हो जाएगी।

कीमतों में उछाल, आम आदमी की पहुंच से दूर हुआ आलू-प्याज

नई दिल्ली। एजेंसी

आलू-प्याज इतना महंगा हो गया है कि मिडिल क्लास के लिए यह पहुंच से बाहर हो र्हा है। जो लोग असंगठित क्षेत्रों में दिवाड़ी पर काम करते हैं उनके लिए सब्जी सपना होने लगा है। कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि आवश्यक जिंसों की कीमतें में तेजी, मजदूरी में गिरावट और बेरोजगारी बढ़ने की वजह से सरकार के राहत उपायों के बावजूद आज गरीब परिवारों की स्थिति काफी खराब है। विशेषज्ञों ने कहा कि सिर्फ दिवाड़ी मजदूर और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग ही नहीं, बल्कि एक मध्यमवर्ग परिवार के लिए भी पिछले कुछ सप्ताह के दौरान आलू, प्याज कीमतों में आए उछाल की वजह से अपने रसेई के बजट का प्रबंधन करना मुश्किल हो रहा है।

दिल्ली में प्याज का खुदरा भाव 80 रुपये

राष्ट्रीय राजधानी और देश के अन्य हिस्सों के थोक एवं खुदरा बाजारों दोनों में आलू और प्याज के दाम ऊंचे चल रहे हैं। सरकार का कहना है कि भारी बारिश की स्थिति से फसल खराब होने के चलते यह स्थिति बनी है। अपाए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में प्याज का खुदरा भाव 21 अक्टूबर को 80 रुपये किलो पर पहुंच गया। जून में यह 20 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसी तरह इस अवधि में आलू भी 30 रुपये से 70 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है।



सदर बाजार में रिक्षा चलाने वाले बजमोहन ने कहा, 'मैं रोजाना 150 से 200 रुपये कमाता हूं। आलू और प्याज खरीदने के बारे में सोच भी नहीं सकता। मैं अपने पांच लोगों के परिवार का पेट कैसे पेट भर पाएंगे।' बिहार नियामी मोहन जो कोविड-19 लॉकडाउन में फील के बाद दिल्ली लौटे हैं, ने कहा कि संक्रमण के डर से अब काफी कम लोग रिक्षा पर रहते हैं। कैसे-तैसे में अपने घर का खर्च चल रहा हूं।' बढ़ाई का काम करने वाले उत्तर प्रदेश के मुस्तकीन ने कहा, 'हालांकि, बाजारों में अब स्थिति सामान्य हो रही है। लेकिन मेरी कमाई अब भी काफी कम है। प्याज और आलू के दाम आमतौर पर छू रहे हैं, मैं अपने बच्चों का पेट कैसे भर पाऊगा।'

मुफ्त राशन वितरण से परेशानी कम नहीं

एक विशेषज्ञ का कहना है कि आवश्यक जिंसों की कीमतें में उछाल के बीच मजदूरी में कमी और बेरोजगारी बढ़ने की वजह से राशन कार्ड के जरूरे पुष्ट अनाज के वितरण से भी आम आदमी की समस्या हल नहीं हो पाएगी। संकट के समय गरीबों को राशन के लिए सरकार ने कई उपाय किए हैं। सरकार ने नवंबर तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत राशन की दुकानों के जरूरत प्रति व्यक्ति पांच किलो वाली नीचे की घोषणा की है। इसके अलावा सरकार ने रेहड़ी-परी वालों के लिए स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (स्वनिधि) कार्यक्रम की भी घोषणा की है।

आलू-प्याज के बिना सभी कैसे बनेगी

नियामद्वारा क्षेत्र में घरों में काम करने वाली (हाउसमेड) रोपा देवी ने कहा, 'राशन की दुकान के जरूरे कितना भी अनाज मुफ्त मिल जाए, लेकिन आलू और प्याज तो खरीदना ही चाहेंगा।' रोपादेवी ने बताया कि उनकी रोजाना की आलू की जरूरत एक किलोग्राम है। पास के बाजार से उन्हें 70 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर आधा किलो आलू खरीदा है। खास बात यह है कि कुछ माह पहले तक भारत दोनों जिंसों का नियांता कर रहा था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस साल जून तक भारत ने 8,05,259 टन प्याज का नियांता किया था। वहीं मई तक 1,26,728 टन आलू का नियांता किया गया था।

एफडीसी लिमिटेड फेवीपिरवीर दवा पिफ्लू और फेवेन्ज़ा के बेहतर वर्जन लॉन्च किये

अधिक असरदार वैरिएंट पिफ्लू-800 और फेवेन्ज़ा-800 डोजेज फ्रीक्वेंसी और लागत को कम करने में सहायक

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में ही विकसित हुई, फार्मा कंपनी, एफडीसी लिमिटेड, ने आज भारत में कोविड-19 के हल्के से मध्यम लक्षणों वाले मामलों में, इलाज के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले अपने फेवीपिरवीर ब्रांड के नए और अधिक असरदार वैरिएंट -पिफ्लू और फेवेन्ज़ा लॉन्च करने की घोषणा की। 1 नवंबर, 2020 से देश भर के सभी रिटेल मेडिकल आउटलेट्स और अस्पताल के फार्मेसी में ये प्रिस्क्रिप्शन-ओनली दवाएं उपलब्ध होंगी। दवाओं का 800 एमजी वर्जन किसी भी रोगी द्वारा ली जाने वाली गोलियों की संख्या को 75% तक कम करने में मदद करेगा। वर्तमान में मरीजों को पहले दिन 18 गोलियां, और अगले 13 दिनों तक हर दिन 8 गोलियां लेनी पड़ती हैं।



इस वैरिएंट को पेश किया गया है। पीफ्लू-800 और फेवेन्ज़ा-800 उपचार की प्रभावकारिता को मजबूती प्रदान करते हुए चिकित्सा की लागत को 30% तक कम करने में रोगियों की मदद करेंगे। यह उन रोगियों के जीवन को बहुत सुविधाजनक और कॉस्ट-इफेक्टिव बनाता

है जो होम क्वैरेंटाइन हैं, और फैमिली डॉक्टरों द्वारा इलाज करा रहे हैं।' ड्रग कंटोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई)-प्रमाणित, फेवीपिरवीर, व्यापक स्पेक्ट्रम वाला एंटी-वायरल एजेंट है, और खास तौर पर इन्फ्लूएंजा और सरकोवो-2 वायरस के आरएनए पोलीमेर जे और वायरल रिलिकेशन को रोकता है। पिफ्लू और फेवेन्ज़ा 92.5% मामलों में 10 वें दिन से और 62.5% मामलों में 5 वें दिन से कोविड-19 को गंभीर सरर पर जाने की संभावना को कम करता है। इसमें 90% रोगियों में 15 वें दिन चेस्ट सीटी स्कोर में महत्वपूर्ण सुधार लाने में मदद मिलती है। इस ओलर एंटी-वायरल दवा ने कोविड-19 के हल्के से मध्यम लक्षणों वाले रोगियों में वायरल रिलिकेशन चक्र को कम किया है, और तेजी से क्लिनिकल रिकवरी की है। इन जैसे इनोवेशन के साथ, कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई में एफडीसीभारत के साथ खड़ा है।

वर्तमान में गिरावट की जीवनी में फैमिली

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के रिजल्ट के इंतजार में गिरा सोने का भाव

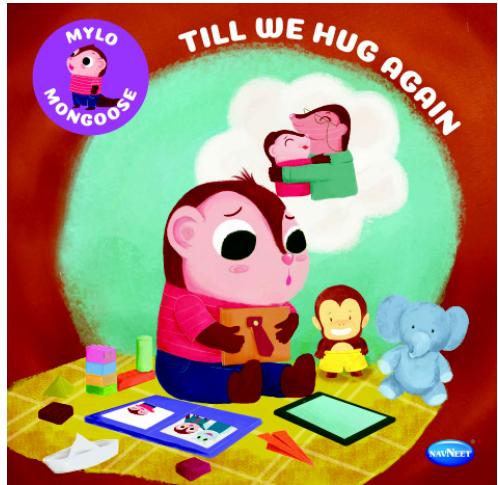
नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका में बोटों की गिनती जारी है और डोनाल्ड ट्रंप और जो बाईडेन के बीच कांटे की टक्का देखने को मिल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में कौन जीतेगा, इसका कोई स्पष्ट नतीजा नहीं निकलने से बुधवार सुबह बाजारों में सोने की कीमतें गिर गईं। रायटर्स के मुताबिक सोने की कीमत 0.5% घटकर 1,896.44 डॉलर प्रति औंस रह गई। अमेरिकी सोना वायदा भी 0.7% की गिरावट के साथ 1,897.10 डॉलर पर आ गया। निवेशकों का मानना है कि अमेरिकी चुनावों के नियांत्रक परिवर्णनों का लंबे समय तक इंतजार करने से निवेशकों का विश्वास हिल रहा है। सिंगापुर में आईएनजी बैंक एनवी में कमोडिटी रणनीति के प्रमुख वरिएं पैटर्सन ने ब्लूमबर्ग को बताया कि ट्रम्प के लिए बाबाओं में सुधार अच्छा जीवित मरहा है। इसका असर सोने पर पड़ा है। बिडेन के लिए जीत अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अधिक राजकीय प्रोत्साहन के लिए ग्रासता प्रशंसन कर सकती है और इक्विटी और कमोडिटी बाजारों के लिए फायरेंटेंट सावित हो सकती है। ओवेरा-चीनी बैंकिंग कॉर्प के एक अर्थशास्त्री होवी ली ने गेंयर्टर्स को बताया कि ट्रम्प की जीत की बढ़ती बाधाओं के साथ सोने में गिरावट आई है, लेकिन पिछले सप्ताह के बिकवाली के बाद तेल कुछ नुकसानों को वापस कर रहा है। कोरोनोवायरस महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए कई केंद्रीय बैंकों पैकेज लगाए जाने के कारण सोने में 25 फीसदी की तेजी आई है।



इंडियन प्लास्ट टाइम्स

न्यू नॉर्मल के बारे में बच्चों से बात करने का अनूठा तरीका



इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

करीब 6 महीने तक घरों में प्रतिबंधित रहने के बाद बड़ों के साथ बच्चे भी न्यू नॉर्मल की तरफ बढ़ रहे हैं। ऐसे में बच्चे नई दिनचर्या, पढ़ाई करने, सामाजिक होने, खेलने के लिए नए तरीकों

को अपना रहे हैं और खुद को व्यस्त रख रहे हैं। इन बदलावों को मज़ेदार और आसान बनाने के लिए 'नवनीत एयुकेशन लिमिटेड' के चिल्ड्रन्स बुम्स डिवीजन ने माइलो मंगूज सीरीज के तहत दो नई किताबें लॉन्च की हैं। इन किताबों के शीर्षक

'टिल वी हग अगेन' और 'माइलो डिस्कवर्स द रियल सुपरहीरो' हैं।

पुस्तकों के बारे में:

'टिल वी हग अगेन'- महामारी ज्यादातर लोगों के लिए एक कठिन स्थिति है, खासकर उन बच्चों के लिए जो इस समस्या की व्यापकता को समझने में असमर्थ है। यह कहानी एक बच्चे की दुविधा की पड़ताल करती है, जिसे मौजूदा परिस्थितियों के कारण सामाजिक गतिविधियों में संलग्न रहने के तरीके को नहीं सीखना चाहिए। यह कहानी आगे न्यू नॉर्मल को अनन्यों के तरीकों का चिन्तित करती है, ताकि वे यहां समझ सकें कि कैसे वे इस परिस्थिति में अपने प्रियजनों के साथ सोशल डिस्ट्रॉइंसिंग का पालन करते हुए जुड़े रह सकते हैं।

'द रियल सुपरहीरो' - वयस्क

जानते हैं कि महामारी के कारण पैदा होने वाले संकट के समय में क्या करना है, जबकि बच्चों के लिए यह कहर और इसके कारणों को समझ पाना लाभग्र असंभव है। यह पुस्तक एक बच्चे के दृष्टिकोण से, बच्चे को आश्रित करने और बच्चे के मन को परेशान करने वाली आशंकाओं को समाप्त करने के लिए लॉकडाउन की स्थिति की पड़ताल करती है। यह सरल भाषा में बच्चों को सुरक्षा की आवश्यकता की व्याख्या करती है। साथ ही उन्हें कोरोना योद्धाओं की सराहना और धन्यवाद करने में भी मदद करती है, जो इस मुश्किल गोसालिया में नई किताबों के लॉन्च समय में समाज की मदद कर रहे हैं। नवनीत एजुकेशन के मैरेजिंग डायरेक्टर श्री शेल्लन्द गाला ने नई पुस्तकों के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, 'हमने नवनीत में न्यू नॉर्मल में ढलना आसान बनाने के लिए विभिन्न परियोजनाएं सुरु की हैं। माइलो श्रृंखला में नई पुस्तकों को समझ पाना लाभग्र असंभव है। यह पुस्तक एक बच्चे को आश्रित करने के लिए एक है। सभी को यह पता है कि प्रियकर बुक्स बच्चों को तेजी से सीखने में मदद करती हैं और हमने उन्हें न्यू नॉर्मल के मानदंडों को सिखाने के लिए उसी तकनीक का इस्तेमाल किया है।'

पुस्तकों के लिए असाधारण प्रतिक्रिया मिली है। वर्तमान परिदृश्य के साथ जहां लॉकडाउन सभी को प्रभावित कर रहा है, हमारा मानना है कि यह हमारी ज़िम्मेदारी भी है कि बच्चों को किंतु परिस्थिति से बेहतर ढंग से निपटने में मदद करें। हम अपनी नई किताबों को भी बही जोरदार प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद करते हैं।' माइलो सीरीज़ सामाजिक-भावनात्मक मुद्दों के बारे में चित्र-कथाएँ (पिक्चर स्टोरीज़बुक्स) हैं जो बच्चों को भावनाओं और सामाजिक मुद्दों के बारे में गहराई से सोचने में मदद कर सकती हैं। माइलो स्टोरीज़बुक की कहानी के प्लॉट बच्चों को सहानुभूति विकसित करने, उनकी भावनाओं के बारे में बात करने और दूसरों के साथ पहचान बनाने में मदद करते हैं।

आदित्य बिरला ग्रुप का बिरला सेल्युलोज़ बना नम्बर 1, कैनोपी की हॉट बटन रिपोर्ट -20 में पाई पहली रैंक

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

आदित्य बिरला ग्रुप के बिरला सेल्युलोज़ को कानाडा स्थित एनवायर्मेंटल गैर लाभकारी संस्था, कैनोपी प्लेनेट सोसायटी की हालिया 'हॉट बटन रिपोर्ट 2020' के अंतर्गत 'डार्क ग्रीन शर्ट' के सम्मान से नवाजा गया। बिरला सेल्युलोज़, जो कि आदित्य बिरला ग्रुप का पाल्प और फाइबर व्यावसायिक है, एक बार पुनः कैनोपी की हॉट बटन रिपोर्ट 2020 में वैश्विक स्तर पर पहले नम्बर पर उभरकर सामने आया है। यह सम्मान बिरला सेल्युलोज़ को उसके प्राचीन और विलुप्तप्राय जंगलों के संरक्षण के लिए निरन्तर किये जा रहे प्रयासों के लिए दिया गया है। पर्यावरण के क्षेत्र की इस रिपोर्ट में मिलने वाली टॉप रैंकिंग इस बात को दर्शाती है कि लकड़ी के खोतों के दोहन को दीर्घकालीन तौर पर सुधारने, जंगलों का संरक्षण करने, फाइबर के नेक्स्ट जेनरेशन समाधानों के विकास में इनोवेशन लाने

तथा अपनी समस्त वेल्यू चेन में पारदर्शिता बनाये रखने के लिए कप्यानी अनथक प्रयास कर रही है। श्री दिलीप गौर, बिजेनस डायरेक्टर, पल्प एन्ड फाइबर (बिरला सेल्युलोज़) आदित्य बिरला ग्रुप एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, एंसिम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने कहा-'बिरला सेल्युलोज़ के लिए प्राचीन और विलुप्त होते जा रहे जंगलों की सुरक्षा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। हम समृद्ध जैव विविधता, दीर्घकालिक वन्य सम्बन्धी अन्यासों और उत्तर संरक्षण समाधानों में विश्वास करते हैं, जो जलवायु परिवर्तनों की चौताई से लड़ने में मदद कर सकते हैं। कैनोपी के साथ हमारे कोलेक्ट्रेशन ने हमें उन क्षेत्रों में साल दर साल अपने ही कीर्तिमानों को निरन्तर सुधारने के लिए प्रेरित किया है जिनपर हमारा खास फोकस है।' इस टॉप रैंकिंग के साथ ही बिरला सेल्युलोज़ को हॉट बटन रिपोर्ट 2020 की पहली 'डार्क ग्रीन शर्ट' रैंकिंग से भी नवाजा गया है। इस रैंकिंग के आधार पर रैंक देती है।

अधिक गहरे होने शेड की रैंकिंग का मतलब है कि, किसी कप्यानी द्वारा नेक्स्ट जेनरेशन फाइबर समाधानों की प्रक्रिया तथा खतरे में पड़ी ज़मीन और जंगलों के संरक्षण की उत्तरति के संदर्भ में कैनोपी स्टाइल' ज़िम्दारी को लागू करने की दिशा में कप्यानी का प्रस्तुतिकरण कैसा रहा। कैनोपी की हॉट बटन रैंकिंग और रिपोर्ट, कैनोपी का एक फ्लैशशिप वर्षिक प्रकाशन है। उल्लेखनीय है कि कैनोपी, फैशन संकरण के लिए एक प्राथमिक फाइबर सोसाइटी रूपरूप है। इसकी यह रिपोर्ट वैश्विक स्तर पर मनुष्य निर्मित सेल्युलोज़ फाइबर्स (एमएमपीएफ) निर्माताओं का आकलन करती है और उन्हें विस्कोज़ एवं अन्य सेल्युलोइझ फाइबर्स के प्राचीन व खतरे में पड़े जंगलों तथा अन्य विवादास्पद स्रोतों के प्रयोग को बंद करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता तथा टैक्सटाइल में बने इनोवेटिव फाइबर्स के उपयोग को प्राथमिकता देने के आधार पर रैंक देती है।

अर्जेटीना में स्प्लाई के लिए भारत में बनेगी रूस की कोरोना वैक्सीन

मुंबई। एजेंसी

रूस ने कोरोना की पहली वैक्सीन बनाने का बाबा किया था। इसे Sputnik-V नाम दिया गया है। अर्जेटीना को स्प्लाई करने के लिए इसकी कुछ लाख डोज भारत में तैयार की जाएगी। रूस के Gamaleya National Research Institute of Epidemiology and Microbiology और इसके सॉवरेन फंड Russian Development Investment Fund (RDIF) ने इसके लिए भारतीय साझेदारों के साथ कारब्रिया का इस्तेमाल होता है। इस वैक्सीन एनोन्डीज़ ट्रायल और भारत में तैयार की जाएगी।

इसका खुलासा अर्जेटीना के राष्ट्रपति अल्टोर्नी फॉन्डीज़ ने एक इंटरव्यू में किया। उन्होंने कहा कि उनके देश का रूस से कोविड वैक्सीन की स्प्लाई मिलेगी। आरडीआईएफ के सीईओ किरिल विस्त्रीव ने कहा कि अर्जेटीना के लिए Sputnik-V वैक्सीन के उत्पादन के लिए उनकी कुछ और भारतीय कंपनियों से भी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा था कि भारत रूसी वैक्सीन के उत्पादन के लिए उनकी कुछ और भारतीय कंपनियों से भी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि भारत रूसी वैक्सीन के उत्पादन का एक बड़ा केंद्र होगा और ये वैक्सीन केवल भारत ही नहीं बल्कि दूसरे देशों को भी स्प्लाई की जाएगी।

टाटा स्काय बिंज ने अपनी व्यापक कंटेंट लाइब्रेरी को किया विस्तारित उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता के शो, फिल्में और स्पोर्ट्स उपलब्ध कराने के लिए सोनी लिव के साथ की साझेदारी

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

टाटास्काय की ओटीटी एगीट्रेटर सर्विस, टाटास्काय बिंज ने त्योहारों के इस सीधी उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट सेवाए प्रदान करने के लिए सोनी लिव के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत टाटास्काय बिंज पर 1000.84 रुपये का रोचक कंटेंट 'शामिल हो जाएगा जिसमें तीव्र शोज़, फिल्में और सोनी लिव

पर बात करते हुए डेनेश खान, बिजेनेस हैंड-सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन, डिजिटल बिजेनेस एन्ड स्ट्रुडियो नेक्स्ट ने कहा, "सीरीज़न्स से लेकर अब तक बड़े स्क्रीन में बने लोकल टैक्सटाइल से युक्त लाइब्रेरी हायपर और साझेदारी बड़ों तरह बढ़ रही है। और इस लाइब्रेरी विकास के लिए एक बड़ी रुपये की ज़रूरत है।" इस साझेदारी द्वारा देश के लिए अग्रणी स्थिति पर स्थापित करेगी। हमारे

पास कंटेंट की व्यापक लाइब्रेरी है जो टाटास्काय बिंज के उपयोगकारीओं को ढेरों विकल्प उपलब्ध कराएगी। इस साझेदारी के माध्यम से हम ऐसे समय में अपने आपको और मजबूत बना सकेंगे, जब उपभोक्ता रोचक कहनियों के लिए एंपीएस्टीन्स के साथ हमारी यह साझेदारी हुई है। हमें खुशी है दोनों ब्रांड्स के साथ हमारा रिस्ता और मजबूत होता जा रहा है।"



इन मंत्रों का करें जाप ईश्वर करेंगे आपकी रक्षा

जीवन में कौन सा ऐसा इंसान होगा जो अपने जीवन में किसी तरह की परेशानी चाहता है। हर इंसान ये

चाहता है कि उसका हर काम सरलता से पूरा हो जाए। लेकिन अक्सर जब भी हम कोई कार्य करने चलते हैं तो कोई न कोई परेशानी या कठिनाई आ ही जाती है। कभी सोचा है ऐसा क्यों है। नहीं न, तो हम बताते हैं कि ऐसा क्यों है। दरअसल सम्पूर्ण ब्रह्मांड ग्रहों द्वारा नियंत्रित है। ग्रह ही हमारी सफलता और असफलता के कारक होते हैं। ग्रहों का अच्छा और बुरा प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। जिसका असर साफ तौर पर हमारे कार्यों झलकता है। लेकिन इन ग्रहों के बुरे प्रभाव से बचाव के तरीके भी हैं।

वह तरीका है, जैसे ग्रहों का प्रभाव खत्म करने के लिए उस ग्रह से उत्र और शक्तिशाली शक्ति का साथ। हम यहाँ आपको ऐसे दो महामंत्र बताने जा रहे हैं, जिनमें से आप किसी भी एक मंत्र का जाप या पाठ कर सकते हैं। यकीन मानिए परेशनियां खत्म हो जाएंगी और आपका जीवन खुशहाल होने लगेगा।

इस मंत्रों का करें जाप

हनुमान चालीसा: हिंदू धर्म में हनुमान चालीसा एक भक्ति भजन है जो हनुमान की उपासना में गाया जाता है। इसमें हनुमान पर 40 चौपायी या छंद है। इसीलिये इसे चालीसा कहा जाता है जिसका अर्थ है चालीस या 40। हनुमान चालीसा आंतरिक मन को ज़ङ्गोरने के लिये पढ़ा जाता है। पाठकों को यह पता होता है कि वह जो दोहरा रहा है, वह उसके मन को शुद्ध कर देगा। हनुमान चालीसा बाधाओं को खत्म करता है। हनुमान शक्तिशाली और ताकतवर हैं। वह हमारे भीतर की हिम्मत को जगाते हैं। इसीलिये ऐसा विश्वास है कि हनुमान चालीसा का जाप करने से कुछ अच्छा ही होगा। यह एक प्रकार की भक्ति है और गीत सुनने से बिल्कुल अलग है। जैसे ही आप जाप शुरू करते हैं, वैसे ही आपके हृदय के द्वारा खुलने लगते हैं।

गायत्री मंत्र: मंत्र के द्वारा मन को शुद्ध किया जाता है। अगर आपको मानसिक शुद्धि चाहिये तो आप गायत्री मंत्र का जाप कर सकते हैं। यह मंत्र मन की शुद्धि के लिये ही जाना जाता है। गायत्री मंत्र का जाप बड़ी ही श्रद्धा और निष्ठा के साथ किया जाना चाहिए। मंत्र इस प्रकार है:

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि दियो यो नः प्रचोदयात्।

इस मंत्र का जाप करने वाले को अपनी आत्मा के साथ संबंध स्थापित करने का और उस पथ पर बने रहने का मौका मिलता है जहां उसे दिव्य रौशनी महसूस होती है। हर रोज सुबह शारीरिक नित्य किया से निपटने के बाद इस मंत्र का अथास करें। गायत्री मंत्र मन को शांत करता है और जब मन शांत हो जाता है तो यह सांसारिक भ्रम को तोड़ देता है और फिर आपको किसी भी भौतिक सुख-सुविधाओं की जरूरत महसूस नहीं होती। उस बक्त अप अपनी अंतरात्मा या भगवान से बात कर सकते हैं। हर कोई आध्यात्मिक है लेकिन हम अपने मन को खुद पर हावी होने देते हैं।

धर्म-ज्योतिष

महादेव की पूजा सोमवार को ही क्यों की जाती है जानें

हिन्दू धर्म में हर दिन किसी देवता की पूजा होती है सोमवार को भगवान शिव की पूजा की जाती है मदिरों के बाहर लंबी-लंबी कतारें दिखना लाजमी हैं पुराने समय से ही लोग इस दिन शिव की पूजा करते आए हैं लेकिन क्या कभी सोचा है सोमवार को ही महादेव की पूजा क्यों होती है शायद कुछ लोगों को पता भी हो कि सोमवार को भोलेनाथ की पूजा का विशेष महत्व क्यों होता है लेकिन जिन्हें नहीं पता वो जान लो।

अक्सर लोग भोले को प्रसन्न करने के लिए सोमवार का ब्रत रखते हैं सोमवार ब्रत को सोमेश्वर कहा जाता है सोमेश्वर का पहला अर्थ है चंद्रमा और दूसरा होता है वह देव, जिसे सोमदेव भी अपना देव मानते हैं यानी शिव।

सोम एक अर्थ सौम्य भी होता है शंकर जी को शांत देवता कहा जाता है इसलिए भी सोमवार का दिन माना जाता है सहज और सरल होने के कारण शिव को भोलेनाथ भी कहा जाता है। कुछ लोग यह भी कहते हैं कि सोम में ३५ हैं और भोलेनाथ को ३५ स्वरूप माना जाता है। इसलिए इस दिन इनकी पूजा करने से विशेष लाभ मिलता है। कहा जाता है कि चंद्रमा इसी दिन भगवान शिव की पूजा करते थे, जिससे उन्हें निरोगी काया मिली। इसलिए भी



सोमवार को भगवान शिव की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अगर हर सोमवार शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित की जाए तो व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

अंदर की शक्ति को जागृत करने का सबसे सरल तरीका

सभी बातें हमारी आध्यात्मिक ऊर्जा और शक्तियों को बाधित करती हैं। सबसे पहले इनसे बचते हुए हमेशा अपने वर्तमान के बारे में सोचना चाहिए।

■ अगर आप अपने वर्तमान से खुश नहीं हैं या उसमें उलझकर रह गए हैं तो आपको अपने ऊपर



और अपने मन पर विश्वास करना चाहिए। किसी भी तरह की मुश्किल या परिस्थिति से निकलने के लिए आपको अपने मन की सुननी चाहिए। मन जिनका हमारे वर्तमान से कोई संबंध नहीं है, ये

■ हमारे आसपास के वातावरण में अच्छी और बुरी सभी तरह की ऊर्जाएं होती हैं। इनमें से अगर कोई आपको कोई संदेश देना चाहती है तो आपको अपने पास एक अजीब सी बांद्रेश्वन महसूस होती है। अगर आपको कुछ ऐसा महसूस होता है तो उसे गंभीरता से लें और समझें कि वो आपको किस ओर इशारा कर रही हैं।

■ जब आप अपने इंटर्नूल स्पैस पर भरोसा करने लगें तो आप अपने आसपास के वातावरण में मौजूद ऊर्जाओं को और बेहतर तरीके से जानने लगेंगे। आपको कुछ ऐसे अहसास हो सकते हैं जिनके ज़रूर आपको वास्तविकता का ज्ञान होगा और आप सही और गलत के बीच भेद कर पाएंगे।

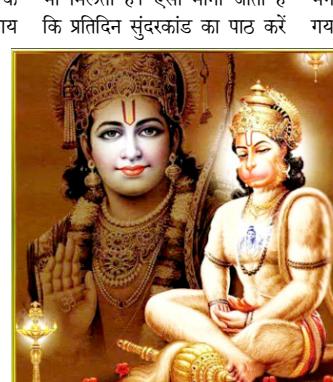
अगर आप इन तरीकों से अपने भीतर की शक्ति को जागृत कर लेते हैं तो आप अपने और अपने आसपास के दूसरे लोगों के भविष्य का अनुमान लगा सकते हैं।

सुंदरकांड का पाठ करने से पूरी होंगी हर मनोकामना

हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए सबसे सरल और सटीक उपाय है कि आप हनुमान चालीसा पढ़े या फिर सुंदरकांड का पाठ करें।

अगर आप श्रद्धालूपूर्वक सुंदरकांड का पाठ करें तो हनुमान जी आपके सारे विदेश काम बन जाएंगे और आपके सारे दुःख भी दूर हो जाएंगे। श्री रामचरितमानस के सुंदरकांड में ब्रजरंगबली की महिमा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है इसमें भगवान के शक्ति और विशालकाय रूपों के बारे बताया गया है जिससे पढ़ने के बाद शरीर में उर्जा का संचार होने लगता है। सुंदरकांड पढ़ने से हनुमान जी के भक्तों की मनोकामना जल्दी पूरी हो जाती है जहां रामचरितमानस में

भगवान श्री राम के गुणों को दर्शाया गई है और उनकी महिमा बताई गई है वहीं रामचरितमानस के सुंदरकांड के पाठ के महत्व को विज्ञान ने भी माना है। सुंदरकांड के पाठ की एक-एक पंक्ति और उसके अर्थ, भक्त को जीवन में कभी हार न मानने की सीख देता है मनोवैज्ञानिकों के अनुसार किसी बड़ी परीक्षा में सफल होना होता है व्यक्तिकों के सुंदरकांड का पाठ के महत्व को विज्ञान ने भी माना है। सुंदरकांड के पाठ के भगवान के गुणों की नहीं बल्कि उनके भक्तों के गुणों की बताते बताई गई हैं। सुंदरकांड के पाठ को मुराद पूरा करने वाला भी मन जाता है जो लोग सुंदरकांड का पाठ करते हैं उन्हें बजरंगबली के बल भी प्राप्त होते हैं जो लोग इसका पाठ करते हैं उनके आसपास बुरी शक्तियों कभी नहीं भटकती। ऐसा भी कहा जाता है या जीवन में कोई कम नहीं बन रहा होता है।



ऑटो कंपनियों के लिए शानदार रहा अक्टूबर का महीना

खूब बिकीं गाड़ियां

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की सभी बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की बिक्री अक्टूबर में 18.9 प्रतिशत बढ़कर 1,82,448 इकाई पर पहुंच गई। इससे पिछले साल के समान महीने में कंपनी ने 1,53,435 वाहन बेचे थे। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार घरेलू बाजार में उसकी बिक्री 19.8 प्रतिशत बढ़कर 1,72,862 इकाई पर पहुंच गई, जो अक्टूबर, 2019 में 1,44,277 इकाई रही थी। समीक्षाधीन महीने में कंपनी की मिनी कारों आल्टो और एस-प्रेसो की बिक्री मामूली घटकर 28,462 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 9,158 इकाई रहा था।

एमजी मोटर की बिक्री
छह प्रतिशत बढ़ी

एमजी मोटर इंडिया की खुदरा बिक्री अक्टूबर में छह प्रतिशत बढ़कर 3,750 इकाई पर पहुंच गई। एक साल पहले समान महीने में कंपनी ने 3,536 वाहन बेचे

पर पहुंच गई, जो अक्टूबर, 2019 में 75,094 इकाई रही थी। अक्टूबर में सियाज मॉडल की बिक्री 40 प्रतिशत घटकर 1,422 इकाई रह गई, जो पिछले साल समान महीने में 2,371 इकाई रही थी। हालांकि, कंपनी के यूटिलिटी वाहनों.....विटारा ब्रेजा, एस-प्रॉस और एटिंगा की बिक्री 9.9 प्रतिशत बढ़कर 23,108 इकाई से 25,396 इकाई पर पहुंच गई। अक्टूबर में कंपनी का नियांत 4.7 प्रतिशत बढ़कर 9,586 इकाई रहा, जो एक साल पहले समान महीने में 9,158 इकाई रहा था।

थे। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उसकी एसयूवी हेक्टर की बिक्री का आंकड़ा 40 प्रतिशत घटकर 1,422 इकाई पर पहुंच गया। यह इस वाहन की मासिक बिक्री का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। सितंबर, 2020 में हेक्टर की बिक्री 2,410 इकाई रही थी। इस तरह सितंबर की तुलना में अक्टूबर में हेक्टर की बिक्री में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा कि उसकी हाल में पेश प्रीमियम एसयूवी ग्लॉस्टर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी को इस वाहन के लिए अब तक 2,000 बुकिंग मिल चुकी हैं। एमजी मोटर इंडिया के निदेशक (बिक्री) राकेश सिद्धाना ने कहा, “हमें वृद्धि का यह रुख दिवाली की बजह से नवंबर में भी जारी रहने की उम्मीद है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हम आपूर्ति बढ़ा रहे हैं।”



हुंडई की सेल्स ने बनाया रेकॉर्ड

अक्टूबर के महीने में हुंडई ने अब तक की सबसे अधिक सेल्स दर्ज की है। कंपनी ने इस महीने में कुल 56,605 गाड़ियां बेची हैं। इससे पहले कंपनी ने अक्टूबर 2018 में 52,001 गाड़ियां बेची थीं। वहीं कंपनी ने 13,600 गाड़ियां नियांत की थीं, जिसमें इस बार -10.1 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। यानी कंपनी ने अक्टूबर 2019 में बुल 63,610 गाड़ियां बेची थीं, जबकि इस बार 68,835 गाड़ियां बेची हैं, यानी 8.2 फीसदी की बढ़त

अगर इन आंकड़ों की तुलना पिछले साल से करें तो अक्टूबर 2019 में कंपनी ने 5,0010 गाड़ियां घरेलू बाजार में बेची थीं। यानी कि इस बार कंपनी की सेल्स में 13.2 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं कंपनी ने 13,600 गाड़ियां नियांत की थीं, जिसमें इस बार -10.1 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। यानी कंपनी ने अक्टूबर 2019 में सेल्स 12,373 बूनिट रही। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 11,866 गाड़ियां देश में बेची थीं, जबकि 744 इटिंग्स गाड़ियां नियांत की थीं। बता दें कि पिछले महीने यानी सितंबर 2020 में कंपनी की सेल्स 8,116 गाड़ियां थीं, जिसमें तुलना करें तो इस महीने में कंपनी ने 52 फीसदी की ग्राह की है।

आ रहा Nokia 6300 और नोकिया 8000 का नया अवतार, लॉन्चिंग जल्द

नई दिल्ली। एजेंसी

HMD Global नोकिया के क्लासिक स्मार्टफोनेस को नए अवतार में अक्सर लॉन्च करती है। इसी कड़ी में अब कंपनी बीते जमाने के दो धांसू मोबाइल फोन- Nokia 6300 और Nokia 8000 को लॉन्च करने की तैयारी में है। यह जानकारी जर्मन टेक ब्लॉग Winfuture ने दी है। कंपनी इन दोनों फोन को 43 सॉर्ट और आज के लेटेस्ट फीचर्स के साथ लॉन्च कर सकती है। यह जानकारी Telia की उस रिपोर्ट पर आधारित है, जिसमें वाई कॉलिंग सर्पर्ट करने वाले स्मार्टफोन्स की लिस्ट को शेयर किया गया था। टीलिया की इस लिस्ट में नोकिया 6300 4G और नोकिया 8000 4G भी नजर आए।

साल 2007 में आया था नोकिया 6300

नोकिया 6300 पहली बार साल 2007

में लॉन्च हुआ था। सीरीज 40 का यह फोन स्टील फिनिश के कारण उस वक्त काफी प्रीमियम लगता था। फोन में कलर स्क्रीन, माइक्रो एसडी कार्ड स्लॉट और 2 मेगापिक्सल का केमरा दिया गया था।

स्लाइडर डिजाइन वाला हो सकता है नोकिया 8000

नोकिया 8000 की बात करें तो यह फोन 90 के दशक के नोकिया के प्रीमियम सीरीज का डिवाइस हो सकता है। नोकिया की पुरानी सीरीज में नोकिया 8800 सर्वोंको भी शामिल था। इस फोन में सफायर कोटेड ग्लास कवरिंग डिस्प्ले, कैपेढ के लिए स्लाइड आउट कवर और 2 मेगापिक्सल का कैमरा मिलता था।

जल्द हो सकते हैं लॉन्च

नोकिया 8000 सीरीज में स्लाइडर डिजाइन आम था। ऐसे में माना जा रहा है कि

लॉन्च होने वाले नोकिया 8000 43 फोन में भी यह दिख सकता है। उम्मीद है कि कंपनी इन दोनों स्मार्टफोन को इस साल के खत्म होने तक लॉन्च कर देगी। शुरुआत में इन डिवाइसों को यूरोप में लॉन्च किया जा सकता है। हो सकता है कि ये दोनों नोकिया 6.3 और नोकिया 7.3 के साथ ही लॉन्च कर दिए जाएं।

लॉन्च हुआ इन नोकिया फोन का नया अवतार

इससे पहले एचएमडी ग्लोबल नोकिया 3310 का भी नया वेरियंट लॉन्च कर चुकी है। यह फोन 2G, 3G और 4G वेरियंट में आता है। साल 2018 में कंपनी ने नोकिया 880 बनाना फोन, पिछले साल नोकिया 2720 और इस साल की शुरुआत में नोकिया 5310 एक्सप्रेस म्यूजिक को लॉन्च किया था।

मर्सीज ने पेश की भारत में बनी एमजी श्रृंखला की पहली कार

नयी दिल्ली। एजेंसी

लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी मर्सीज-बैंज ने अपनी एमजी श्रृंखला की कारों का घरेलू विनिर्माण शुरू कर दिया है। कंपनी ने

मंगलवार को देश में बनी पहली ‘एमजी जीएलसी 43 4मैटिक कूपे’

पो श बी। कंपनी ने अपने पुणे संचयन में मंगलवार को देश में बनी पहली ‘एमजी जीएलसी 43 4मैटिक कूपे’

पो श बी। कंपनी ने अपने पुणे संचयन में मंगलवार को देश में बनी पहली ‘एमजी जीएलसी 43 4मैटिक कूपे’

ओर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने कहा कि देश के सभसे अधिक है। मर्सीज-बैंज इंडिया के प्रबंध निदेशक



और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने कहा कि देश के सभसे अधिक है। मर्सीज-बैंज इंडिया के प्रबंध निदेशक

RBI के तीन पूर्व गवर्नरों की चेतावनी

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के तीन पूर्व गवर्नरों ने चेतावनी दी है कि बैंकों का बढ़ता एनपीए देश की आर्थिक प्रगति के लिए बहुत बड़ा खतरा है। अगर सरकार ने जल्दी इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए तो इकॉनोमी पर इसका बुरा असर पड़ सकता है। आर्कीवीआई के पूर्व गवर्नरों ने जर्नलिस्ट तमाल बंदोपाध्याय की आने वाली किताब 'Pandemonium: The Great Indian Banking

इकॉनमी पर भारी पड़ सकता है बढ़ता NPA

Tragedy' में यह बात कही है। इसमें कहा गया है कि समस्या यह है कि कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए सरकार ने काफी पैसा झोक दिया है और अब उसके पास बैंकों की मदद करने के लिए बहुत कम संसाधन बचे हैं। गिरते राजस्व संग्रह से राजकोषीय धाटे के बजट लक्ष्य से दोगुना पहुंचने की आशंका है। 2008 ले 2013 तक आर्कीवीआई के गवर्नर रही डी सुब्राह्मण ने कहा कि bad loan की समस्या बड़ी और

विश्लेषकों का कहना है कि इसके लिए 13 अरब डॉलर की ज़रूरत है। पिछले तीन साल में सरकार ने 2.6 लाख करोड़ रुपये से लेकिन उनकी समस्या कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। मार्च तक इसके 12.5 फीसदी पहुंचने का अनुमान है जो दशक में सबसे अधिक है।

2003 से 2008 तक आर्कीवीआई के गवर्नर रहे वाई बी रेड्डी ने कहा कि राजकोषीय समस्या ने पहले बैंकिंग और फिर फाइनेंशियल सेक्टर को अपनी चपेट में ले रखा था। जिससे इकॉनोमी प्रभावित हो रही है। कुल मिलिकर एनपीए ने केवल एक समस्या है वाली बैंकिंग सेक्टर की समस्या को और विक्राल बना दिया। यह एक बल्कि यह कई दूसरी समस्याओं

का परिणाम है। वहीं 1992 से 1997 तक केंद्रीय बैंक के प्रमुख रहे सी रंगराजन ने कहा कि रियल एस्टेट सेक्टर की समस्या बरकरार है और हाल में लिए गए नोटबंदी जैसे नीतिगत फैसलों ने बैंकिंग सेक्टर की समस्या को और विक्राल बना दिया। यह एक आर्थिक संकट है।

गिरनार रोपवे के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग सुविधा शुरू



एजेंसी यात्रा की योजना बना रहे हाँ... अब, आप नए उद्यान में व्यापक क्षेत्रों के दौरान गिरनार की जानकारी उपयोगी है। जी, सवारी के लिए ऑनलाइन

टिकट बुक करके अपनी यात्रा को और भी सुविधाजनक बना सकते हैं। गिरनार में 2.3 किमी लंबे रोपवे का निर्माण करने वाले यात्री रोपवे अग्रणी उषा ब्रेको ने 1 नवंबर से रोपवे के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू की है।

उषा ब्रेको के पश्चिम संभाग के मुख्य प्रदेशिक अधिकारी दीपक कपलिश ने कहा कि, गिरनार रोपवे के टिकट के लिए ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। खासकर अन्य शहर और राज्यों से आने वाले लोगों को इससे आसानी होगी। ऑनलाइन टिकट उपलब्धता के बारे में पूछताछ बढ़ रही थी और हमने मुख्य त्योहार के सीजन से ठीक पहले यह सुविधा

शुरू कर दी है।

गिरनार रोपवे के लिए टिकट बुक किए जा सकते हैं। उपयोगकर्ताओं के पास रोपवे यात्रा के लिए टाइम स्लॉट चुनने का विकल्प भी है। गिरनार रोपवे का उद्यान 24 अक्टूबर को प्रधान मंत्री नंद्र मोदी द्वारा किया गया था। इसे उपयोगकर्ताओं से बहुत अच्छी प्रतिसाद मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि, रोपवे के लिए लोगों की प्रतिक्रिया बहुत अच्छी है। रोजाना आवागमन बढ़ रहा है। केवल एक हफ्ते में 16000 हजार से अधिक लोगों ने रोपवे सेवा का लाभ उठाया है। वरिष्ठ नागरिक, बच्चे, महिलाएं और अन्य जो पहले गिरनार जाने में सक्षम नहीं थे, वे विश्वस्तरीय रोपवे

के माध्यम से गिरनार की यात्रा कर सकेंगे। हमें विश्वास है कि रोपवे आने वाले दिनों में पहाड़ की चोटी की यात्रा का पासदीदा साधन बन जाएगा। यह सबसे आधुनिक रोपवे है। इस परियोजना स्थल पर एक बातानुकूलित प्रतिक्षा क्षेत्र, बच्चों की देखभाल के लिए कमरे, शौचालय और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस रोपवे परियोजना से पूरे सारांश में पर्यटन और संबद्ध गतिविधियों और रोजगार सूजन को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि, कोविड-19 महामारी से पर्यटन क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हमें विश्वास है कि रोपवे गिरनार में पर्यटन को बढ़ावा देगा और साथ ही सोमानाथ, द्वारका, वीवा, आदि स्थलों पर भी पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा।

जियोमार्ट ने इंदौर में किराना दुकानदारों को जोड़ना शुरू किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दिवाली से पहले जियोमार्ट ने इंदौर में किराना दुकानदारों के साथ पार्टनरशिप शुरू कर दी है। इसके लिए एक व्यापक अधियान चलाया जा रहा है। किराना दुकानदार जियोमार्ट के साथ आसानी से जुड़ कर डिजिटल कारोबार की दुनिया में कदम रख सकते हैं। दिवाली से पहले अपनी दुकान को ऑनलाइन ले जाने का ये उनके लिए अच्छा मौका है। इंदौर के साथ महू, उज्जैन, देवास, पीथमपुर के किराना दुकानदार भी जियोमार्ट पार्टनर बन सकते हैं। जियोमार्ट किराना पार्टनर बनने पर दुकानदारों को कई तरह के फायदे मिलेंगे। इसके जरिए वो खुद किफायती दर पर होलसेल किराना की ऑनलाइन खरीदारी कर सकेंगे। नियमित सप्लाई के कारण उनके स्टॉक में कभी कमी नहीं आएगी और प्रोडक्ट की रेंज बढ़ जाएगी। साथ ही वो अपना कारोबार ऑनलाइन ले जाकर ग्राहकों की बढ़ोतारी भी कर सकेंगे। किराना दुकानदार जियोमार्ट से जुड़ने के लिए 18008962000 पर फोन कर सकते हैं। किराना के अलावा केमिस्ट और जनरल स्टोर चलाने वाले भी जियोमार्ट पार्टनर बन सकते हैं।

के रिफर्डेबल डिपॉजिट पर जियोमार्ट की व्यापारी मिलेगी। ये मशीन उनके लिए कई तरह के काम आसान कर देगी। इस मशीन के जरिए दुकानदार सामान के बारकोड को स्कैन कर बिल लाइसेंस में से कोई एक डॉक्यूमेंट देना होगा। इसके साथ ही दुकान बेंग डॉक्यूमेंट जैसे बिल एप्लिएशन एसएसएआई/एफडी ए लाइसेंस, जीएसटी, ट्रेड लाइसेंस, दुकान स्थापना प्रमाणप्रत्र, बना सकते हैं, उसे प्रिंट कर ग्राहक को दे सकते हैं। इसमें डेविट कार्ड या क्रेडिट कार्ड और यूपीआई से पेमेंट लेने की भी सुविधा है। साथ ही पूरी दुकान के सामान की इंट्री इस मशीन में हो जाएगी।

जियोमार्ट किराना पार्टनर बनने के लिए दुकानदारों को आधार कार्ड, वाटर आईडी कार्ड या ड्राइविंग

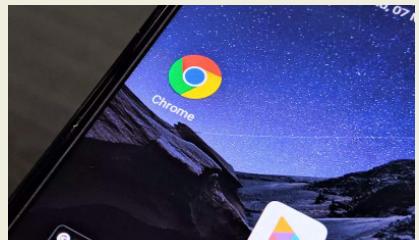
लाइसेंस में से कोई एक डॉक्यूमेंट देना होगा। इसके साथ ही दुकान बेंग डॉक्यूमेंट जैसे बिल एप्लिएशन एसएसएआई/एफडी ए लाइसेंस, जीएसटी, ट्रेड लाइसेंस, दुकान स्थापना प्रमाणप्रत्र, बना सकते हैं, उसे प्रिंट कर ग्राहक को दे सकते हैं। इनमें से कोई एक डॉक्यूमेंट देना होगा। इंदौर में जियोमार्ट पायलट के दौरान जुड़े भारी में अभियंत किराना स्टोर के मालिक हेमंत विदावत के मुताबिक 'मेरे कारोबार में गिरावट आ रही थी लेकिन जियोमार्ट से जुड़ने के बाद कारोबार में 30 फीसदी की बढ़ोतारी हुई है।

फेरिंचर वीज़न आ चुका है इसलिए बिजली के उत्तर, चढ़ाव के कारण पूर्यूज सेंसर का बारे में बताते हैं और वाले पूर्यूज से यह नहीं होना चाहिए कि हम अपने घरों में जिस तरह से बिजली आपूर्ति में होने वाली सर्ज यानी वृद्धि घर से वर्क फ्रॉम होम करने वालों के लिए समस्याओं बन चुकी है। यह सर्ज कुछ मिनटों के लिए या कुछ घंटों के लिए चाहे पावर आउटेज में बदले या नहीं बदले ए पर यह एक समस्या है जिसका समाधान सही बल्लंग का चयन करके आसानी से किया जा सकता है। जैववार युप ने अपने प्राइमा एलईडी बल्लंग रेज़ को प्रदर्शित करने वाले नवीनतम टीवीसी एक महानगरीय हाई राइज़ में सेट की गई जिंदगी के रंग को दिखाता है। टीवीसी हाई राइज़ के निवासियों के साथ शुरू होता है जिसमें वे बोल्टेज में बदलाव और बिजली के उपकरणों के अधिक उपयोग के कारण लगातार होने वाली रोशनी का उत्तर, चढ़ाव देखते हैं। अंत में एक अपार्टमेंट को छोड़कर पूरी बिलिंग ग की बिजली गुल हो जाती है। जिस अपार्टमेंट की बिजली के उपकरणों के अधिक उपयोग के कारण लगातार होने वाली रोशनी का उत्तर, चढ़ाव देखते हैं। अंत में एक अपार्टमेंट को छोड़कर पूरी बिलिंग ग की बिजली गुल हो जाती है। जिस अपार्टमेंट की अनुकूल उत्पादों की ऐपेक्षक करते हैं और साथ ही सही घरों से मंदांद और गुणवत्ता वाले पोर्टफोलियो के पावर सर्ज रेजिस्टर के उत्तर, चढ़ाव का सामान करता है। टीवीसी को फोटोवोल्टाइक सौरशक्ति किया हुआ है। नए कम्यूनिकेशन ठीक पहले प्रस्तुत किया गया है।

गूगल ने एंड्रॉयड यूजर्स को दी वॉर्निंग, फौरन अपडेट करें क्रोम ब्राउज़र

नई दिल्ली। एजेंसी

एंड्रॉयड स्मार्टफोन यूजर्स के लिए एक बड़ी प्रॉब्लम बग्स और मैलवेयर से बच रहे की होती है। गूगल को जैसे ही किसी बग का पता अपने सिस्टम में चलता है, वह यूजर्स को अलर्ट कर देता है। एक बार फिर गूगल ने एंड्रॉयड यूजर्स को वॉर्निंग दी है और गूगल क्रोम ब्राउज़र अपडेट करने को कहा है। गूगल की ओर से ब्राउज़र में जीरो-डे बग को पैच किया गया है और यह एक जरूरी अपडेट है। सर्व इंजन कंपनी गूगल की ओर से कहा गया है कि क्रोम ब्राउज़र में मौजूद बग की मदद से यूजर्स को नुकसान पहुंचाया जा सकता है। अनुरूप रिपोर्ट के मुताबिक, सामने आए बग की वजह से अटैकर्स को क्रोम सिक्यूरिटी सैंडबॉक्स बाइपास करने का ऑपरेटर मिल गया था। ऐसा करने के बाद अटैकर्स ऑपरेटर



सिस्टम में कोड रन कर सकते थे और कई बदलाव बिना यूजर्स को पता चले कर सकते हैं।

विडोज में भी मिला था यही बग

गूगल की ओर से क्रोम फॉर एंड्रॉयड ब्राउज़र के लिए सिक्यूरिटी अपडेट रिलीज किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'क्रोम फॉर एंड्रॉयड वर्जन

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

शुरू कर दी है।

गिरनार रोपवे के लिए टिकट बुक किए जा सकते हैं। उपयोगकर्ताओं के पास रोपवे यात्रा के लिए टाइम स्लॉट चुनने का विकल्प भी है। गिरनार रोपवे का उद्यान 24 अक्टूबर को प्रधान मंत्री नंद्र मोदी द्वारा किया गया था। इसे उपयोगकर्ताओं से बहुत अच्छी प्रतिसाद मिल रहा है।

के बारे में बताते हुए एंड्रॉयड यूजर्स की विजली आपूर्ति में उपयोग करना चाहते हैं एंड्रॉयड कम्पॉटिंग एंड कम्प्युनेशन ग्लोबल ऑपरेशन्स ए जैववार युप ने कहा कि जैववार लाइटिंग का नवीनतम कैम्पे न इलेक्ट्रिकल फ्लॉक्युएशन के कारण उपयोगकर्ता ओं द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करें। ग्राइमा एलईडी सर्ज प्रोटेक्टेड बल्लंग के साथ हम बहुमुखी और उपयोगकर्ता के अनुकूल उत्पादों की ऐपेक्षक करते हैं और साथ ही सही घरों से मंदांद और गुणवत्ता वाले पोर्टफोलियो के पावर सर्ज रेजिस्टर के उत्तर, चढ़ाव का सामान करता है। टीवीसी को फोटोवोल्टाइक सौरशक्ति से बहुत अच्छी है।

खाली हो सकता है अकाउंट

प्रोजेक्ट जीरो के टेक्निकल हेड बेन हॉक्स ने कहा कि इस खाली को विडोज यूजर्स के लिए भी 10 नवंबर तक फिल्म कर दिया जाएगा। आपको पता दें कि जीरो-डे से जुड़ी खाली की मदद से अटैकर्स आपके स्मार्टफोन या फिर सिस्टम की सेटिंग्स में बदलाव कर सकते हैं। इसका मतलब है कि बिला यूजर को पता चले उपकरण का संपर्क रखना चाहिए। इसके अलावा बैंकिंग डीटेल्स की मदद से पैसों की चपत भी लगाई जा सकती है।